(GI-1, GI-2, GI-3, GI-6, VI-1, SI-1, VDI-1)

DATE: 04.10.2021 MAXIMUM MARKS: 100 TIMING: 3¼ Hours

EIS & SM

SECTION – A : ENTERPRISE INFORMATION SYSTEMS AND MANAGEMENT

Q. No. 1 & 2 is Compulsory,
Answer any three questions from the remaining four questions

Answer 1:

1. Ans. b
2. Ans. d
3. Ans. a
4. Ans. b
5. Ans. a
6. Ans. b
7. Ans. d
8. Ans. a
9. Ans. b
10. Ans. a
11. Ans. b
12. Ans. a
13. Ans. a
14. Ans. b
15. Ans. b

{1 Mark Each x 15 = 15 Marks}

Answer 2:

एक्सबीआरएल व्यापार प्रणाली के बीच व्यापार सूचनाओं के बीच संवाद करने और विनिमय करने के लिए एक मानक–आधारित तरीका है। इन संचारों को टैक्सोनोमीज में निर्धारित मेटाडाटा द्वारा परिभाषित किया गया है, जो अलग–अलग रिपोर्टिंग अवधारणाओं की परिभाषा और साथ ही अवधारणाओं और अन्य शब्दार्थियों के बीच सम्बन्धों को कैप्चर करते हैं। सूचना दी जा रही है या एक्सचेंज सूचना एक्सबीआरएल उदाहरण के भीतर प्रदान की जाती है। पेब्रिड, पीडीएफ और एचटीएमएल आधारित रिपोर्टो से एक्सबीआरएल वालों के लिए बदलाव फिल्म फोटोग्राफी से डिजीटल फोटोग्राफी में परिवर्तन की तरह है, या पेपर मैप्स से डिजीटल मैप्स के लिए है। नया प्रारूप आपको सभी चाजें करने की अनुमति देता है जो संभवतः प्रयुक्त होता था, लेकिन यह नई क्षमताओं को भी खोलता है, क्योंकि सूचना स्पष्ट रूप से परिभाषित, प्लेटफार्म–स्वतंत्र, परीक्षण योग्य और डिजीटल है। एक्सबीआरएल फॉर्मेट में डिजीटल मैप्स, डिजीटल बिजनेस रिपोर्टस की तरह, लोगों को डाटा का उपयोग, साझा विश्लेषण और मूल्य जोड़ने के तरीके को आसान बना सकते हैं। **{1 M}**

XBRL की महत्वपूर्ण विशेषताएँ (Important Features of XBRL)

- **स्पष्ट परिभाषाएँ** (Clear Definitons) : XBRL पुनः प्रयोज्य, आधिकारिक परिभाषाओं के निर्माण की अनुमति देता है, जिन्हें टैक्सोनॉमी कहा जाता है, जो व्यापार रिपोर्ट में उपयोग की जाने वाली सभी रिपोर्टिंग शर्तो में शामिल होते हैं, साथ ही साथ सभी शर्तो के बीच के संबंध टैक्सोनोमीज नियामकों द्वारा विकसित किए जाते हैं, अकाउंटिंग मानकों के सेटर्स, सरकारी एजेंसियों और अन्य समूहों को उन सूचनाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की जरूरत होती है। जिनके बारे में रिपोर्ट की जानी चाहिए। एक्सबीआरएल सीमित नहीं है कि किस प्रकार की जानकारी को परिभाषित किया गया है। 8 यह भाषा है जो कि इस्तेमाल की जा सकती है और आवश्यकतानुसार तैनात किया जा सकता है। **{1 M}**
- **टेस्टेबल बिजनेस नियम** (Testable Business Rules) : XBRL व्यापार नियमों के निर्माण की अनुमति देता है जो रिपोर्ट की जा सकती है। व्यावसायिक नियम तर्कसंगत या गणितीय हो सकते हैं, या दोनों और इसका इस्तेमाल किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, इन व्यावसायिक नियमों का उपयोग निम्न में किया जा सकता है : **{1 M}**
  - रिपोर्ट के मसौदे में है, जबकि तैयारकर्ता द्वारा चलाए जा रहे द्वारा नियामक या तीसरे पक्ष को भेजी जाने वाली खराब गुणवत्ता की जानकारी को रोकना।

- एक नियामक या तीसरे पक्ष द्वारा स्वीकार किए जाने वाली खराब गुणवत्ता की जानकारी को रोकना, उस बिन्दु पर चलाया जा रहा है कि सूचना प्राप्त हो रही है महत्वपूर्ण रिपोर्टो को विफल करने वाली व्यावसायिक रिपोर्टो को पुनरावर्ती और पुर्नमूल्यांकन के लिए तैयार किया जा सकता है।
- प्रश्नोत्तरी जानकारी को ध्वजांकित या उजागर करना, शीर्घ अनुवर्ती कार्यवाई, सुधार या स्पष्टीकरण की अनुमति देना।
- प्रदान किए गए मौलिक आंकड़ों के आधार पर, अनुपात, एग्रीग्रेन्स और अन्य प्रकार के मूल्यवर्धित सूचनाएं बनाएं।

- **बहुभाषी समर्थन** (Multi-lingual Support) : XBRL अवधारणा परिभाषाओं को यथासंभव कई भाषाओं में तैयार करने की अनुमति देता है। परिभाषाओं का अनुवाद तीसरे पक्षों द्वारा भी जोड़ा जा सकता है। इसका मतलब यह है कि किसी भी अतिरिक्त काम के बिना किसी अलग भाषा में रिपोर्ट की एक श्रेणी प्रदर्शित करना संभव है, जिसमें वे तैयार थे। एक्सबीआरएल समुदाय इस क्षमता का व्यापक उपयोग करता है, क्योंकि यह स्वचालित रूप से विभिन्न समुदायों को रिपोर्ट खोल सकता है। **{1 M}**
- **सशक्त सॉफ्टवेयर समर्थन** (Strong Software Support) : XBRL एक्सबीआरएल बड़े और छोटे विक्रेताओं से सॉफ्टवेयर की एक बहुत व्यापक श्रेणी के द्वारा समर्थित है, जिससे हितधारकों की एक बहुत विस्तृत श्रृंखला मानक के साथ काम करने की अनुमति देता है। **{1 M}**

Answer 3:

(a) **मास्टर डेटा:** जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, मास्टर डेटा अपेक्षाकृत स्थायी डेटा है जिसे बार–बार बदलने की उम्मीद नहीं है। यह बदल सकता है, लेकिन बार–बार नहीं। लेखांकन प्रणालियों में, निम्न प्रकार के मास्टर डेटा हो सकते हैं जैसा कि अंजीर में दिखाया गया है।

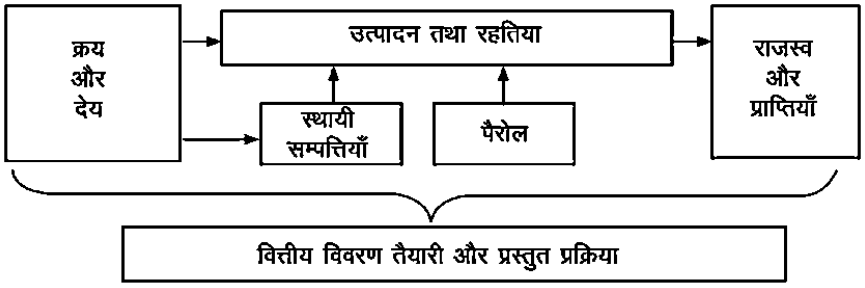

{2 M}

वित्तीय और लेखा प्रणालियों में मास्टर डेटा के प्रकार

(a) **अकाउंटिंग मास्टर डेटा** – इसमें लीडर्स, ग्रुप्स, कॉस्ट सेंटर्स, अकाउंटिंग वाउचर टाइप्स आदि के नाम शामिल हैं, जैसे ई। कैपिटल लेजर एक बार बनाया जाता है और अक्सर बदलने की उम्मीद नहीं की जाती है। इसी तरह, अन्य सभी उत्पादकों, जैसे, बिक्री, खरीद, व्यय और आय उत्पादकों को एक बार बनाया जाता है और बार–बार बदलने की उम्मीद नहीं की जाती है। पिछले वर्ष से अगले वर्ष तक खोला गया संतुलन भी मास्टर डेटा का एक हिस्सा है और इसे बदलने की उम्मीद नहीं है।

(b) **इन्वेंटरी मास्टर डेटा** – इसमें स्टॉक आइटम, स्टॉक समूह, गोदाम, इन्वेंट्री वाउचर प्रकार आदि शामिल हैं। स्टॉक आइटम कुछ ऐसा है जो व्यापारिक उद्देश्य के लिए खरीदा और बेचा जाता है, एक व्यापारिक सामान। जैसे यदि कोई व्यक्ति श्वेत वस्तुओं के व्यापार के व्यवसाय में है, तो स्टॉक आइटम टेलीविजन, फ्रिज, एयर कंडीशनर इत्यादि होंगे। दवा की दुकान चलाने वाले व्यक्ति के लिए, उसके लिए सभी प्रकार की दवाएं स्टॉक आइटम होंगी।

(c) **पेरोल मास्टर डेटा** – पेरोल लेखा प्रणाली के साथ जुड़ने वाला एक अन्य क्षेत्र है। पेरोल वेतन की गणना और कर्मचारियों से संबंधित लेनदेन की पुनरावृत्ति के लिए एक प्रणाली है। पेरोल के मामले में मास्टर डेटा कर्मचारियों के नाम, कर्मचारियों के समूह, वेतन संरचना, वेतन प्रमुख आदि हो सकते हैं। इन आंकड़ों के बार–बार बदलने की उम्मीद नहीं की जाती है। जैसे सिस्टम में बनाया गया कर्मचारी तब तक बना रहेगा जब वह अधिक समय तक रहेगा, उसका वेतन ढांचा बदल सकता है लेकिन बार–बार नहीं, उसके वेतन ढांचे से जुड़े वेतनमान अपेक्षाकृत स्थायी होंगे।

(1 M each)

(d) **वैधानिक मास्टर डेटा** – यह एक मास्टर डेटा है जो कानून ६ कानून से संबंधित है। यह विभिन्न प्रकार के करों के लिए अलग–अलग हो सकता है। जैसे गुड्स एंड सर्विस टैक्स (ळैज), स्रोत पर टैक्स कटौती के लिए भुगतान की प्रकृति (ज्वै), आदि। यह डेटा भी अपेक्षाकृत स्थायी होगा। इस डेटा पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है क्योंकि वैधानिक परिवर्तन सरकार द्वारा किए गए हैं और हमारे द्वारा नहीं किए गए हैं। कर दरों, रूपों, श्रेणियों में परिवर्तन के मामले में, हमें अपने मास्टर डेटा को अपडेट ६ बदलने की आवश्यकता है।

Answer:

(b) डेटा पर विभिन्न प्रकार के अतुल्यकालिक हमलें इस प्रकार हैं:

(i) **गोपनीय जानकारी का चोरी हो जानाः** इसमें कम्प्यूटर से डपिंग फाइलों के माध्यम से कम्प्यूटर को लीक करने या कम्प्यूटर की रिपार्ट और टेप चोरी करने में शामिल है।

(ii) **विध्वंसक हमलोंः** ये घुसपैठियों को प्रसारित होने वाले संदेशों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकते हैं और घुसपैठिया उप–प्रणाली में कुछ घटकों की अखंडता का उल्लंघन करने का प्रयास कर सकता है।

(iii) **तार–फंसानेः** इसमें संचार नेटवर्क पर प्रसारित होने वाली जानकारी पर जासूसी शामिल है।

(iv) **कंमोबेश समर्थनः** यह एक अधिकृत व्यक्ति को सुरक्षित दरवाजे के माध्यम से अनुसरण करने या इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक अधिकृत दूरसंचार लिक से जुडने का कार्य है जो ट्रांसमिशन को छिपाने और बदलता है। इसमें ऑपरेटिंग सिस्टम और उपयोगकर्ता के बीच संचार को अवरुद्ध करना शामिल है और उन्हें संशोधित करना या नए संदेशों को प्रतिस्थापित करना शामिल है।

(1 M each 4 point)

Answer 4:

(a) ई–कॉमर्स घटकों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(I) **उपयोगकर्ताः** यह ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाला व्यक्ति/संगठन या कोई भी हो सकता है। ई–कॉमर्स के रूप में, खरीद को आसान और सरल बना दिया है, बस बटन के एक क्लिक पर ई–कॉमर्स विक्रेताओं को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उनके उत्पादों को गलत उपयोगकर्ताओं तक नहीं पहुंचाया जाए। वास्तव में, दवा/ड्रग्स जैसे उत्पादों की बिक्री करने वाले ई–कॉमर्स विक्रेताओं को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि ऐसे उत्पादों को गलत उपयोगकर्ता तक नहीं पहुंचाया जाए। **{1 M}**

(II) **ई–कॉमर्स विक्रेताः** यह संगठन/संस्था है जो उपयोगकर्ता, माल/सेवाओं को प्रदान करता है। उदाहरण के लिए www. flipkart-com ई–कॉमर्स विक्रेताओं को आगे बेहतर, प्रभावी और कुशल लेनदेन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

- आपूर्तिकर्ता और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनः
- वेयरहाउस संचालनः
- शिपिंग और रिटर्नः
- ई – कॉमर्स कैटलॉग और उत्पाद प्रदर्शनः
- विपणन और वफादारी कार्यक्रमः
- शोरूम और ऑफलाइन खरीद
- अलग–अलग ऑर्डर करने के तरीकेः
- गारंटीः
- गोपनीयता नीतिः सुरक्षाः

{1 M}

(III) **प्रौद्योगिकी अवसंरचनाः** कंप्यूटर, सर्वर, डेटाबेस, मोबाइल एप्लिकेशन, डिजिटल लाइब्रेरी, ई–कॉमर्स लेनदेन को सक्षम करने वाले डेटा इंटरचेंज।

(a) कंप्यूटर, सर्वर और डेटाबेस
(b) मोबाइल एप्स
(c) डिजिटल लाइब्रेरीः
(d) डेटा इंटरचेंजः

{1 M}

(IV) **इंटरनेट/नेटवर्कः** यह ई–कॉमर्स लेनदेन की सफलता की कुंजी है।

- यह ई–कॉमर्स के लिए महत्वपूर्ण प्रलाप है। किसी भी ई–कॉमर्स लेनदेन के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है। वर्तमान दिनों में नेट कनेक्टिविटी पारंपरिक के साथ–साथ नई तकनीक के माध्यम से हो सकती है।
- तेज नेट कनेक्टिविटी से ई–कॉमर्स बेहतर होता है। भारत में कई मोबाइल कंपनियों ने 4G सेवाएं शुरू की हैं। **{1 M}**
- ई–कॉमर्स व्यापार की सफलता संगठन की इंटरनेट क्षमता पर निर्भर करती है। वैश्विक स्तर पर, यह उच्च गति नेटवर्क बनाने के लिए देशों की क्षमता से जुड़ा हुआ है। भारत में 4G, 5G जैसी नवीनतम संचार प्रौद्योगिकियां पहले ही सड़क पर आ चुकी हैं।

(V) **वेब पोर्टलः** यह इंटरफेस प्रदान करेगा जिसके माध्यम से एक व्यक्ति/संगठन ई–कॉमर्स लेनदेन करेगा।

- वेब पोर्टल वह एप्लिकेशन है जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता ई–कॉमर्स विक्रेता के साथ बातचीत करता है। सामने का अंत जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता ई–कॉमर्स लेनदेन के लिए बातचीत करता है। इन वेब पोर्टल्स को डेस्कटॉप/लैपटॉप/पीडीए/हैंड–होल्डेड कंप्यूटिंग डिवाइस/मोबाइल के माध्यम से और अब स्मार्ट टीवी के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है। **{1 M}**
- वेब पोर्टल पर सामग्री की सादगी और स्पष्टता सीधे ऑनलाइन उत्पाद खरीदने के ग्राहक अनुभव से जुड़ी हुई है। ई–कॉमर्स विक्रेताओं ने इस पहलू में बहुत पैसा और प्रयास किया।

(VI) **भुगतान गेटवेः** भुगतान मोड जिसके माध्यम से ग्राहक भुगतान करेंगे। पेमेंट गेटवे ई–कॉमर्स/एम–कॉमर्स विक्रेताओं द्वारा अपने भुगतान एकत्र करने के तरीके का प्रतिनिधित्व करता है। भुगतान गेटवे ई–कॉमर्स सेट अप का एक और महत्वपूर्ण घटक है। ये ई–कॉमर्स लेनदेन का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये ई–कॉमर्स विक्रेताओं से वस्तुओं/सेवाओं के खरीदार से भुगतान प्राप्त करने का आश्वासन देते हैं। वर्तमान में खरीदारों द्वारा विक्रेताओं को भुगतान के कई तरीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिनमें क्रेडिट/डेबिट कार्ड भुगतान, ऑनलाइन बैंक भुगतान, विक्रेता स्वयं भुगतान वॉलेट, थर्ड पार्टी पेमेंट वॉलेट्स, जैसे SBI BUDDY या PAYTM कैश ऑन डिलीवरी (COD) और एकीकृत भुगतान इंटरफेस शामिल हैं (UPI). **{1 M}**

Answer:

(b) एक आदर्श ईआरपी सिस्टम वह प्रणाली है जो किसी संगठन की सभी प्रकार की जरूरतों को पूरा करता है और सही प्रयोक्ताओं के लिए उनके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सही समय और सही डाटा प्रदान करता है। आदर्श ईआरपी प्रणाली की परिभाषा प्रति संगठन बदल सकती है। लेकिन आमतौर, पर एक आदर्श ईआरपी सिस्टम वह सिस्टम है। जहाँ एकल डाटाबेस का उपयोग किया जाता है और विभिन्न सॉफ्टवेयर मॉड्यूल के लिए सभी डाटा शामिल होता है। इन सॉफ्टवेयर मॉड्यूल में निम्न शामिल हो सकते हैः

- **विनिर्माणः** कुछ कार्यों में इंजीनियरिंग, क्षमता, कार्यप्रवाह प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण, सामग्री के बिल, निर्माण प्रक्रिया आदि शामिल हैं।
- **वित्तीयः** देय खाते, खाता प्राप्य, अचल संपत्ति, सामान्य खाता और नकद प्रबंधन आदि।
- **मानव संसाधनः** लाभ, प्रशिक्षण, पैरोल, समय और उपस्थिति, आदि। **(1 M for Any 4 point)**
- **आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनः** इन्वेंटरी, आपूर्ति श्रृंखला नियोजना, सप्लायर शेड्यूलिंग, दावे प्रसंस्करण, आदेश प्रविष्टि, क्रय आदि।
- **परियोजनाएंः** लागत, बिलिंग, गतिविधि प्रबंधन, समय और व्यय, आदि।
- **कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंटः** एक शब्द है जिसे किसी कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ अपने संपर्कों को संभालने के लिए लागू किया गया है। सीआरएम सॉफ्टवेयर इन प्रक्रियाओं का समर्थन, भावी ग्राहकों के बारे में जानकारी संगृहीत करने के लिए प्रयोग किया जाता है। विभिन्न विभागों, जैसे कि बिक्री, विपणन, ग्राहक सेवा, प्रशिक्षण, व्यावसायिक विकास, प्रदर्शन प्रबधन, मानव संसाधन विकास, और मुआवजे में सिस्टम में जानकारी का उपयोग और दर्ज किया जा सकता है। किसी

भी ग्राहक के सम्पर्क को भी प्रणाली में संगृहीत किया जा सकता है। इस दृष्टिकोण के पीछे का तर्क ग्राहकों को सीधे प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सुधार करना है और लक्षित विपणन के लिए सिस्टम में जानकारी का उपयोग करना है।

- **डाटा गोदामः** आमतौर पर यह एक ऐसा मॉड्यूल है। जिसे संगठनों, आपूर्तिकर्ताओं और कर्मचारियों द्वारा एक्सेस किया जा सकता है। डाटा गोदाम एक संगठन के इलेक्ट्रॉनिक संगृहीत डाटा का भंडार है। रिपोर्टिंग और विश्लेषण की सुविधा के लिए डाटा गोदामों को डिजाइन किया गया है। डाटा गोदाम की यह क्लासिक परिभाषा डाटा संग्रहण पर केन्द्रित है। हांलाकि, आंकड़ो को पनुः प्राप्त करने और विश्लेषण करने डाटा को निकालने, बदलने और लोड करने के लिए और डाटा डिक्शनरी के प्रबंधन के लिए डाटा वेयरहाउसिंग सिस्टम को आवश्यक घटक माना जाता है। डाटा वेयरहाउसिंग के लिए विस्तारित परिभाषा में व्यापार खुफिया उपकरण, निकालने के उपकरण, परिणत करने के लिए उपकरण, और डाटा को रिपॉजिटरी में लोड़ करना, और मैटाडाटा को प्रबंधित करने और पुनर्प्राप्त करने के लिए उपकरण शामिल है। डाटा गोदामों के विपरीत संचालन प्रणाली जो दिन–प्रतिदिन लेनदेन प्रसंस्करण करते है। जानकारी में डाटा को बदलने और इसे अन्तर करने के लिए समय पर उपयोगकर्ता को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया डाटा वेयरहासिंग के रूप में जानी जाती है।

Answer 5:

(a) **अंकेक्षण टूल के प्रकार** (Types of Audit Tools): विभिन्न प्रकार की निरंतर लेखापरीक्षा तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है डाटा प्राप्त करने के लिए कुछ मॉड्यूल, लेखापरीक्षा के निशान और साक्ष्य कार्यक्रमों मे बनाया जा सकता है। अंकेक्षण सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं, जिसका इस्तेमाल डाटा का चयन और परीक्षण करने के लिए किया जा सकता है। कई अंकेक्षण टूल भी उपलब्ध हैं, उनमें से कुछ नीचे वर्णित हैः

(i) **स्नैपशॉट्स** (Snapshots): लेनदेन को ट्रेसिंग एक कम्प्यूटरीकृत सिस्टम स्नैपशॉट या विस्तारित रिकॉर्ड की सहायता से किया जा सकता है। स्नैपशॉट सॉफ्टवेयर को उन बिंदुओं पर सिस्टम में बनाया गया है जहां सामग्री प्रसंस्करण होती है जो किसी भी लेन–देन के प्रवाह की छवियां लेता है क्योंकि यह एप्लिकेशन के माध्यम से चलता है। इन छवियों का उपयोग ट्रांजेक्शन की गई प्रसंस्करण की प्रामाणिकता, सटीकता और पूर्णता का आकलन करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह के सिस्टम को शामिल करते समय मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंन्द्रित करना है ताकि स्नैपशॉट पर कब्जा कर लिया जाएगा और रिपोर्टिंग सिस्टम ड़िजाइन और एक सार्थक तरीके से डाटा पेश करने के कार्यान्वयन पर लेन–देन की भौतिकता के आधार पर स्नैपशॉट अंक का पता लगाया जा सके। **{2 M}**

(ii) **एकीकृत परीक्षण सुविधा (आईटीएफ)** (Integrated Test Facility (ITF)) : आईटीएफ तकनीक में आवेदन प्रणाली फाइलों में एक डमी इकाई का बनाने और प्रसंस्करण प्रामाणिकता, सटीकता और पूर्णता को पुष्टि करने के साधन के रूप में इकाई के खिलाफ अंकेक्षण परीक्षण डाटा के प्रसंस्करण शामिल है। इस टेस्ट डाटा को सामान्य उत्पादन डाटा के साथ शामिल किया जाएगा जिसका उपयोग अनुप्रयोग सिस्टम के इनपुट के रूप में किया जाता है। ऐसे मामलों में अंकेक्षण को यह तय करना होगा कि आईटीएफ लेनदेन के प्रभावों को हटाने के लिए टेस्ट डाटा और पद्धति को दर्ज करने के लिए किस पद्धति का उपयोग किया जाएगा। **{1 M}**

(iii) **सिस्टम कंट्रोल अंकेक्षण समीक्षा फाइल (एससीएआरएफ)** (System Control Audit Review File (SCARF)): एससीएआरएफ तकनीक में ऑस्टिट सॉफ्टवेयर मॉड्यूल को एक मेजबान एप्लिकेशन सिस्टम के भीतर एम्बेड करना शामिल है ताकि सिस्टम के लेनदेन की निरंतर निगरानी हो सके। एकत्र की गई जानकारी एक विशेष अंकेक्षण फाइल–एसएसएआरएफ मास्टर फाइलों पर लिखी गई है। लेखाकार तब इस फाइल में दी गई जानकारी की जांच कर सकते हैं कि क्या यह देखने के लिए कि आंवेदन प्रणाली के कुछ पहलू को अनुवर्ती कार्रवाई की आवश्यकता है कई मायनों में, एससीआरएएफ तकनीक अन्य डाटा संग्रह क्षमताओं के साथ स्नैपशॉट तकनीक की तरह है। **{1 M}**

(iv) **निरंतर और आंतरिक सिमुलेशन (सीआईएस)** (Continuous and Intermittent Simulation (CIS)): यह एससीएआरएफ संतत लेखा परीक्षा तकनीक का एक भिन्नता है। जब भी एप्लिकेशन सिस्टम डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करता है, तब तक इस तकनीक का उपयोग अपवाद के जाल में किया जा सकता है। आंवेदन प्रणाली के प्रसंस्करण के दौरान, सीआईएस निम्नलिखित तरीके से कार्यान्वित करता है। **{1 M}**

(v) **अंकेक्षण हुक** (Audit Hooks): अंकेक्षण के रूटीन हैं जो संदेहास्पद लेनदेन को ध्वजांकित करते हैं उदाहरण के लिए, बीमा कंपनी में आंतरिक लेखा परीक्षकों ने निर्धारित किया है कि पॉलिसीधारक ने अपना नाम या पता बदल कर हर बार धोखाधड़ी का जोखिम उठाया और फिर बाद में नीति से धन वापस ले लिया। उन्होंने एक नाम या पता बदलने के साथ रिकॉर्ड को टैग करने के लिए अंकेक्षण की एक प्रणाली तैयार की। धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए आंतरिक लेखा परीक्षण विभाग इन टैग किए गए रिकॉर्डों की जांच करेगा। जब लेखापरीक्षा हुक नियोजित होते हैं, तो लेखा परीक्षकों जैसे की वे होते हैं, उन्हे संदिग्ध लेनदेन के बारे में सूचित किया जा सकता है। वास्तविक समय अधिसूचना के इस दृष्टिकोण से लेखा परीक्षक के टर्मिनल पर एक संदेश प्रदर्शित होता है। **{1 M}**

Answer:

(b) बैंकिंग उद्योग जनता के पैसे से निपटने में शामिल है और इस प्रकार, बैंकिंग व्यवसाय से उत्पन्न होने वाले जोखिम को कम करते हुए, सौदे की नजदीकी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए उचित जाँच और संतुलन की माँग करता है। इन अंतर्निहित विशेषताओं के साथ एक सीबीएस बनाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में, बैंकों ने इन प्रमुख प्रौद्योगिकी पहलों को लागू किया है और नई अत्याधुनिक और नवीन बैंकिंग सेवाओं की तैनाती की है। कार्यान्वित महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है केंद्रीकृत डेटाबेस और कोर और संबद्ध अनुप्रयोगों और सेवाओं के लिए केंद्रीकृत अनुप्रयोग वातावरण जिसे लोकप्रिय रूप से सीबीएस के रूप में जाना जाता है। अधिकांश व्यावसायिक बैंकों में सीबीएस का डिजाइन और कार्यान्वयन पूरा हो चुका है। **{1 M}**

कोर बैंकिंग के विभिन्न घटक/विशेषताएं इस प्रकार हैं: **(1/4 M for any 12 point)**

- नए खाते खोलना और ग्राहक ऑन–बोर्ड करना।
- पजीकतूं जमा और निकासी का प्रबंधन।
- दीक्षा से रिपोर्टिंग तक लेनदेन प्रबंधन।
- ब्याज गणना और प्रबंधन।
- भुगतान प्रसंस्करण (नकद, चेक/जनादेश, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस आदि)।
- ऋण संवितरण और प्रबंधन।
- नकद जमा और निकासी की प्रक्रिया।
- प्रसंस्करण भुगतान और जांच।
- प्रसंस्करण और ऋण की सेवा।
- लेखा प्रबंधन।
- ब्याज को कॉन्फिगर करना और गणना करना।
- ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) गतिविधियाँ।
- न्यूनतम बैलेंस, ब्याज दरों, निकासी की अनुमति, सीमा और इतने पर के लिए मापदंड निर्धारित करना।
- बैंक के सभी लेन–देन के लिए रिकॉर्ड बनाए रखना।
- शाखा निम्नलिखित प्रमुख कार्यों तक ही सीमित है:
- सॉफ्टवेयर में इनपुट के लिए आवश्यक डेटा कैप्चर करने वाले मैनुअल दस्तावेज बनाना
- आंतरिक प्राधिकरण
- शुरुआत–दिन (बीओडी) संचालन शुरू करना
- एंड–ऑफ–डे (ईओडी) संचालन
- नियंत्रण और त्रुटि सुधार के लिए समीक्षा रिपोर्ट।

Answer 6:

(a)

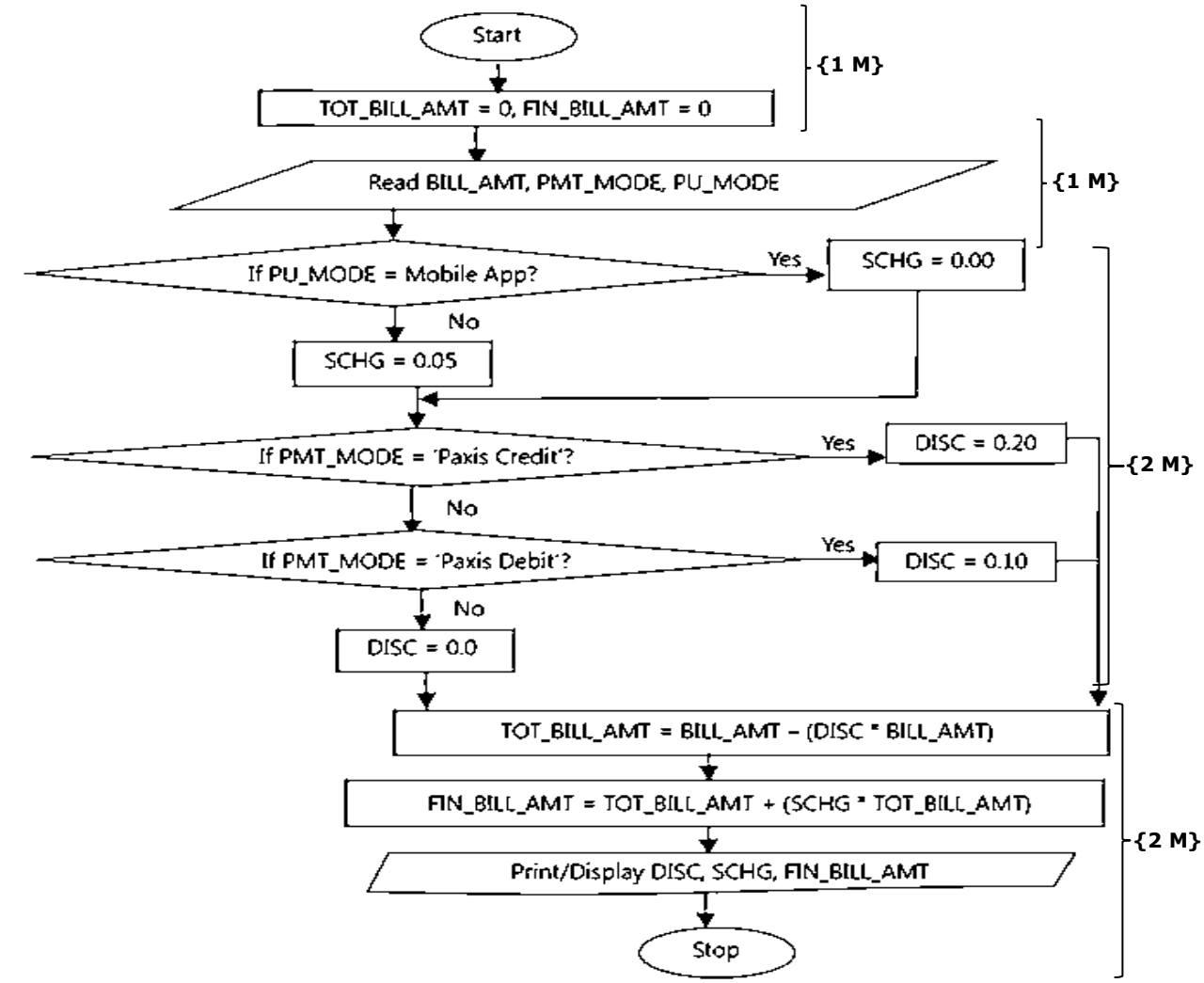

प्रयुक्त चर को परिभाषित किया गया है :

PU_MODE: खरीद Mode, बिल_AMT: आरंभिक बिल राशि,
TOT_BILL_AMT: डिस्कांउट के बाद बिल राशि, SCHG: सरचार्ज,
FIN_BILL_AMT: सरचार्ज के बाद अन्तिम बिल राशि,
DISC: डिस्काउंट, PMT_MODE: भुगतान मोड

{2 M}

Answer:

(b) प्रॉक्सी सर्वर **(Proxy Server)**

एक प्रॉक्सी सर्वर एक ऐसा कम्प्यूटर है जो कम्प्यूटर नेटवर्क सेवा प्रदान करता है ताकि ग्राहकों को अन्य नेटवर्क सेवाओं से अप्रत्यक्ष नेटवर्क कनेक्शन बनाने की अनुमति मिल सके। क्लाइंट प्रॉक्सी सर्वर से कनेक्ट करता है, और उसके बाद एक कनेक्शन, फाइल या किसी अन्य सर्वर पर उपलब्ध अन्य संसाधनों का अनुरोध करता है। प्रॉक्सी संसाधन को या तो निर्दिष्ट सर्वर से कनेक्ट करके या उसे कैश से सेवा प्रदान करता है। कुछ मामलों में, प्रॉक्सी ग्राहक के अनुरोध को बदल सकता है विभिन्न प्रयोजनों के लिए सर्वर का जवाब बदल सकता है।

{2 M}

SECTION – B : STRATEGIC MANAGEMENT

Q. No. 7 & 8 is Compulsory,
Answer any three questions from the remaining four questions

Answer 7:

1. Ans. a
2. Ans. d
3. Ans. d
4. Ans. a
5. Ans. d
6. Ans. b
7. Ans. c
8. Ans. c
9. Ans. c
10. Ans. b
11. Ans. a
12. Ans. a
13. Ans. c
14. Ans. d
15. Ans. a

{1 M Each}

Answer 8:

प्रतियोगी परिदृश्य को समझने के लिए चरण

(i) **प्रतिद्वंदियों को पहचानें**: प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य को समझने के लिए पहला कदम फर्म के उद्योग में प्रतिस्पर्धियों की पहचान करना है और उनके संबधित बाजार
यह प्रश्नों के उत्तर देता है:
- प्रतियोगिता कौन है? **{1 M}**

(ii) **प्रतियोगियों को समझें:** एक बार प्रतिद्वंदियों की पहचान हो जाए तो रणनीतिकार विभिन्न बाजारों में उनके द्वारा प्रदत्त उत्पादों और सेवाओं को समझने के लिए बाजार अनुसंधा रिपोर्ट इंटरनेट, समाचार पत्र सोशल मीडिया उद्योग रिपोर्ट और अन्य स्रोतों का उपयोग कर सकता है। **{1 M}**

(iii) **प्रतिद्वंदियों की ताकत निर्धारित करें:** प्रतियोगियों की ताकत क्या है? वे अच्छी तरह से क्य करते है? क्या वह अच्छे उत्पादों की पेशकश करते है? क्या वे मार्केटिंग का उपयोग उन तरीकों से करते है जो तुलनात्मक रूप से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचता है। ग्राहक उन्हें अपने व्यवसाय क्यों देते है? **{1 M}**

(iv) **प्रतिंद्वदियों की कमजोरियों का निर्धारण:** विभिन्न मीडिया में उपभोक्ता रिपोर्ट और समीक्षाओं के माध्यम से जाने से उपभोक्ता रिपोर्ट और समीक्षाओं के माध्यम से जाने से कमजोरियों (और ताकत) की पहचान की जा सकती है। आखिरकार उपभोक्ता अक्सर अपनी राय देने के लिए तैयार होते है खासकर जब उत्पाद या सेवाएँ या तो बहुत अच्छी या बहुत खराब होती है। **{1 M}**

(v) सभी जानकारी एक साथ रखों: इस स्तर पर रणनीतिकार को प्रतियोगियों के बारे में सभी जानकारी एकत्र करनी चाहिए और इस बारे में अनुमान लगाएं की वह बचा पेशकश नहीं करते और अंतराल को भरने के लिए फर्म क्या कर सकता है। रणनीतिकार उन क्षेत्रों को भी जान सकता है जिनसे फर्म को मजबूत होने की आवश्यकता है। **{1 M}**

Answer 9:

(a) एक बड़ा संगठन यथार्थ रूप में बहुविभागीय संगठन होता है, जो विभिन्न व्यवसायों में प्रतिस्पर्धा करता है। इसमें प्रत्येक डिवीजन प्रबन्धन के लिए स्वयं एक पृथक इकाई होती है। व्यावसायिक प्रबन्धन की रणनीति में तीन स्तर पर किए जाते है– निगम, व्यवसाय एवं क्रियात्मक।
निगम स्तरीय प्रबन्धन में शामिल होते है, मुख्य कार्यकारी एवं अन्य उच्च पदेन अधिकारी। इन्हें संगठन के अधीन निर्णयन की उच्च शक्ति प्राप्त होती है। निगम स्तरीय प्रबन्धकों की भूमिका में सम्पूर्ण संगठन के लिए रणनीति के विकास पर नजन रखनी होती है। इसमें शामिल है संगठन की 'दृष्टि एवं लक्ष्य' को **{2 M}**

परिभाषित कना, किए जाने वाले व्यवसाय का निर्धारण, विभिन्न व्यवसायों के मध्य साधनों का आंवटन और अन्य जो भी निगम स्तर पर आवश्यक हो।

व्यक्तिगत व्यवसाय स्तर पर नीतियों का विकास करना, इस व्यवसाय स्तर के प्रबन्धकों अथवा व्यवसायों के महाप्रबन्धक का उत्तरदायित्व होता है। एक व्यवसाय स्वयं में एक विभाग है जिसके अपने कार्य होते है– उदाहरणार्थ वित्त, उत्पादन, विपणन। व्यवसाय स्तरीय प्रबन्धकों की रणनीतिक भूमिका में, सामान्य लक्षित मार्ग और निगम स्तर से आने वाली अभिलाषाओं को व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए सुदृढ़ रणनीतियों मे रूपान्तरित करना है। **{1 M}**

क्रियात्मक स्तर के प्रबन्धक अपने विशिष्ट कार्य के प्रति जबाबदेह हैं, जैसे–मानव संसाधन, क्रय, उत्पाद विकास, ग्राहक सेवा एवं अन्य। इस प्रकार, क्रियात्मक प्रबन्धक के उत्तरदायित्व का क्षेत्र सामान्यतः एक संगठनात्मक गतिविधि तक सीमित होता है, जबकि महाप्रबन्धक सम्पूर्ण कम्पनी अथवा विभाग के परिचालन का पर्यवेक्षण करता है। **{2 M}**

Answer:

(b) SWOT विश्लेषण एक विधि है जिसका उपयोग संगठनों द्वारा रणनीतिक विकल्पों के विकास के लिए किया जाता है। शब्द SWOT का संदर्भ शक्ति, दुर्बलता, अवसर एवं चुनौती के विश्लेषण से है। शक्तियाँ एवं दुर्बलताएं आन्तरिक परिवेश में पायी जाती है जबकि अवसर एवं चुनौतियां बाह्य परिवेश में स्थित होती है। **{1 M}**

शक्ति (Strength): शक्ति किसी संगठन की निहित क्षमता हैं, जिनाक उपयोग प्रतिस्पर्धी के विरूद्ध रणनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए किया जाता है। **{1 M}**

दुर्बलताएं (Weakness): किसी संगठन की निहित सीमाएँ अथवा अवरोध हैं जो उसके लिए रणनीतिक प्रतिकूलता सृजित करते है। **{1 M}**

अवसर (Opportunity): बाह्य परिवेश में अनुकूल स्थिति है जो संगठन के लिए स्थिति को शक्ति प्रदान करता है। **{1 M}**

चुनौती (Threat): बाह्य परिवेश की प्रतिकूल स्थिति जो किसी संगठन को जोखिम अथवा हानि का कारण बनती है। **{1 M}**

Answer 10:

(a) 'लक्ष्य वाक्य' में संगठन का आधारभूत उद्देश्य वर्णित होता है। यह वर्तमान पर केन्द्रित होता है। यह ग्राहकों एवं जटिल प्रक्रियाओं को परिभाषित करता है। दूसरी ओर एक 'दृष्टि वाक्य' संगठन की महत्वाकांक्षाओं को वर्णित करता है। यह भविष्योन्मुखी होता है। यह प्रेरणा का स्रोत होता है। इससे निर्णयन के स्पष्ट मानदण्ड प्राप्त होते है।

एक लक्ष्य वाक्य, कुछ कम्पनियों के दृष्टि वाक्यों के समान प्रतीत हो सकता है, परन्तु यह एक बड़ी भूल होगी। इससे लोंगो में भ्रम हो सकता है। दृष्टि एवं लक्ष्य में निम्नांकित अन्तर हैः **{2 M}**

(1) 'दृष्टि' में भविष्य की पहचान देती है, जबकि 'लक्ष्य' सतत् एवं समय विहीन मार्गदर्शन प्रदान करता है।

(2) दृष्टि वाक्य लोगों को निश्चित उद्देश्यों को प्राप्ति के लिए अभिप्रेरित करता है, भले ही बड़े उद्देश्यों हों, बशर्ते कि दृष्टि विशिष्ट हों, मापनीय हो, प्राप्त हो, प्रासंगिक एवं समयबद्ध हो। लक्ष्य वाक्य में अनुगमनीय मार्ग का उल्लेख होता है जिसमें क्रमगत दृष्टि एवं उनके मूल्य होते है। इनका संगठन की लाभदायकता एवं सफलता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। **{2 M}**

(3) लक्ष्य वाक्य में उद्देश्य अथवा बड़े लक्ष्य परिभाषित होते है जो अस्तित्व के लिए अथवा व्यवसाय में बने रहने के लिए होते हैं, जो दशाब्दियों तक समान बने रहते हैं, जिन्हे भली प्रकार निर्धाति किया जाता है। जबकि दृष्टि वाक्य अधिक विशिष्ट होते हैं जो वर्तमान एवं भविष्य दोनों समय सीमाओं में स्पष्ट वर्णित होते है दृष्टि में वर्णित होता है कि यदि संगठन सफल रहता है तो क्या प्राप्त किया जाना अपेक्षित है। **{1 M}**

Answer:

(b) संकेन्द्रित विविधीकरण तब पाया जाता हैं, जब कोई फर्म सम्बन्धित उत्पाद, तकनीक अथवा बाजार को जोड़ती है। दूसरी और कोंग्लोमरेटिव विविधीकरण तब होता हैं, जब कोई फर्म ऐसे क्षेत्रों में विविधीकरण करती हैं जो उसके विद्यमान व्यवसाय से सम्बन्धित नहीं होते है। **{2 M}**

संकेन्द्रित विविधीकरण में नवीन व्यवसाय विद्यमान व्यवसाय से प्रक्रिया, तकनीक अथवा बाजारों द्वारा सम्बन्धित होते है। कोंग्लोमरेटिव विविधीकरण में ऐसा जुड़ाव नहीं होता है। नवीन उत्पादों/व्यवसायों को विद्यमान प्रक्रियाओं/व्यवसायों से पूर्णतः असम्बन्धित कर दिया जाता है। **{2 M}**

संकेन्द्रित विविधीकरण के अनुसरण का सर्वधिक सामान्य कारण है कि फर्म के विद्यमान व्यवसाय में अवसरों की उपलब्धता। तथापि, कोंग्लोमरेटिव विकास रणनीति के अनुसरण का सामान्य कारण यह है कि फर्म के विद्यमान व्यवसाय में सीमित अवसर ही उपलब्ध हैं, जबकि बाहर उच्च फलदायक अवसर अधिक उपलब्ध हैं। **{1 M}**

Answer 11:

(a) विभेदीकरण को प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित उपाय है जो एक संगठन द्वारा शामिल किए जा सकते है:

1. ग्राहकों के लिए उपयोगिता सुविधा और उनके सवाद और वरीयताओं के साथ उत्पादों का मिलान करे।
2. उत्पाद के प्रदर्शन को बढ़ाइए।
3. खरीदार संतुष्टि के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद/सेवा का वादा प्रदान करें।
4. रैपिड उत्पाद नवाचार।
5. छवि को बढ़ाने और इसके ब्रांड वैल्यू के लिए कदम उठाना।
6. उत्पाद और खरीदारी की विशिष्ट विशेषताएँ ग्राहक की क्षमता के आधार पर उत्पाद की कीमतें तय करना।

(1 M for any 5 point)

Answer:

(b) सफलतापूर्वक आपूर्ति प्रबन्धन प्रक्रिया के क्रियान्वयन में मुख्य आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रियाओं के अर्न्तगत व्यक्तिगत क्रियाओं के प्रबन्धन से क्रियाओं के एकीकरण के बदलाव की आवश्यकता है। इसमें क्रेता एवं विक्रेताओं के मध्य सांमजस्य क्रिया, संयुक्त उत्पाद विकास, आम प्रक्रियाएँ तथा बाँटी हुई सूचनाएँ सम्मिलित है। हैं। आपूर्ति श्रृंखला के सफलतापूर्वक क्रियान्वन हेतु एक मुख्य आवश्यकता सूचना वितरण तथा प्रबन्धन का नेटवर्क होगी। साझेदारों को इलेक्ट्रॉनिक डेटा विनिमय के द्वारा सूचनाओं को बाँटने तथा समयानुसार निर्णय लेने के लिए साथ में जुड़ने की आवश्यकता है।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन प्रक्रिया के क्रियान्वयन तथा सफलतापूर्वक परिचालन में सम्मिलित होंगे: **{1 M}**

1. **उत्पाद–विकास** (Product development): उत्पाद विकास प्रक्रिया में ग्राहकों तथा आपूर्तिकताओं को साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। प्रारम्भ से शुरू करते हुए साझेदार सभी की जानकारी रखेंगे। सभी साझेदारों का समावेश जीवन चक्रों को कम करने में सहायता करेगा। उत्पाद कम समय में बनाए जाते है तथा बाजार में उतारे जाते है एवं संस्थाओं के प्रतियोगी बने रहने में मदद करते है।
2. **उपलब्धता** (Procurement): उपलब्धता में सतर्क, स्रोत नियोजन, गुणवत्ता मामलें, संसाधनों की पहचान, समझौता ऑर्डर व्यवस्था, अन्तर्गामी परिवहन एवं भण्डारण की आवश्यकता है। संस्थाओं को किसी बाधा के बिना समयानुसार आपूर्तिकताओं से समन्वय करना होता है। आपूर्तिकर्ता उत्पादन के नियोजन में सम्मिलित है। **{1 M}**
3. **उत्पादन** (Manufacturing): बाजारीय चुनौतियों का जबाव देने हेतु उत्पादन प्रक्रियाएँ लचीली होनी चाहिए। ये विशेष निर्माण में समयोजित होने तथा रुचि एवं प्राथमिकताओं के अनुसार बदलाव करने में अनुकूल होने चाहिए। उत्पादन समयानुसार (Just-in-time) तथा न्यूनतम आकार के समूहों के आधार पर की जानी चाहिए। उत्पादन प्रक्रिया के समय को कम करने के लिए उत्पादन में परिवर्तन किए जाने चाहिए।
4. **भौतिक विवरण** (Physical distribution): एक विपणन प्रक्रिया में ग्राहकों को माल पहुँचाना सबसे अन्तिम स्थिति है। प्रत्येक चैनल हिस्सेदार के लिए उत्पादों की उपलब्धता सही जगह पर सही समय पर कराने की आवश्यकता है। भौतिक वितरण प्रक्रिया द्वारा ग्राहकों सेवा प्रदान करना विपणन का एक महत्वपूर्ण अंग बन जाता है। इसीलिए, आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन विपणन चैनल को ग्राहकों से जोड़ता है। **{1 M}**

5. **आऊटसोर्सिंग** (Outsourcing): आऊटसोर्सिंग माल एवं उपकरणों के क्रय करने तक सीमित नहीं है बल्कि इसें सेवाओं की आऊटसोंर्सिंग भी सम्मिलित है जो परम्परागत तरीके से संस्था के अन्दर ही की जाती थी। कम्पनी उन गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए सामर्थ्य होगी जिसमें यह योग्य है तथा बाकी सब कुछ आऊटसोर्स कर दिया जाएगा।
6. **ग्राहक सेवाएँ** (Customer services): संस्थाएँ कम्पनी के उत्पादन तथा वितरण क्रियाओं के साथ सम्बन्धित होकर, ग्राहकों के साथ सम्बन्ध बनाती है जिससें वह सन्तुष्ट हो सकें। ये आपसी संतुष्टिपूर्ण उद्देश्यों के निर्धारण, परिपूर्ति तथा सम्बनध बनाने के लिए ग्राहकों के साथ काम करती है। यह बदले में सस्था एवं ग्राहकों में सकारात्मक विचार लाने में मदद करते है। **{1 M}**
7. प्रदर्शन मूल्याकंन (Performance measurement): आपूर्तिकर्ता तथा ग्राहक तथा संगठन के मध्य एक मजबूत सम्बन्ध है। आपूर्तिकर्ता की क्षमताओं तथा ग्राहकों के सम्बन्धों को फर्म के प्रदर्शन से परस्पर सम्बन्धित किया जा सकता है। प्रदर्शन को विभिन्न मापदण्डों जैसे कि लागत, ग्राहक सेवा, उत्पादन एवं गुणवत्ता में मापा जा सकता है। **{1 M}**

Answer 12:

(a) हाल ही के वर्षो में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार ने महत्वपूर्ण ढंग से संस्था के कार्यो को बदल दिया है। मध्यम प्रबन्धन द्वारा निभायी गयी भूमिका क्षीण हो रही है क्योंकि उनके द्वारा किया गया कार्य तकनीकी उपकरणों द्वारा लगातार बदला जा रहा है। होरग्लास संस्था संरचना संकीर्ण मध्यम परत के साथ तीन परत को सर्मिमित करता है। संरचना का एक लघु और संकुचित मध्यम प्रबंधन स्तर होता है। सूचना प्रौद्योगिकी बहुत से कार्यो जो मध्यम स्तर के प्रबन्धकों के द्वारा किए जाते है। सूचना प्रौद्योगिकी बहुत से कार्यो जो मध्यम स्तर के प्रबन्धकों के द्वारा किए जाते है को अलग करके संस्था में उच्च और निचले स्तर को एक करते है। एक संकुचित मध्यम परत विविध निम्न स्तर की प्रतिक्रियाओं को समन्वित करते है। **{2 M}**

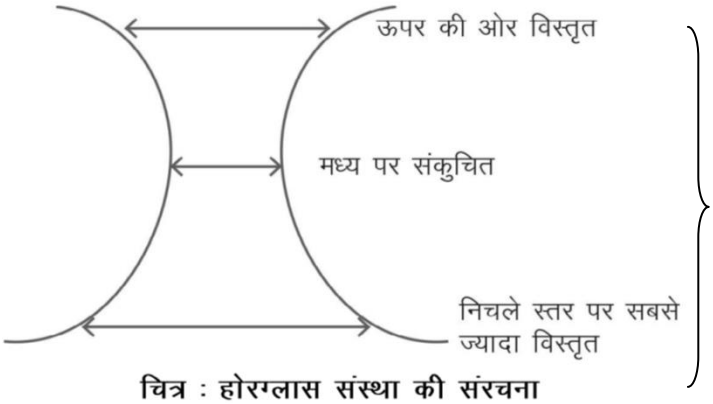

{1 M}

चित्र : होरग्लास संस्था की संरचना

होरग्लास संरचना में घटी हुई लागत का लाभ है। यह निर्णय लेने की प्रकृति को संरलीकृत करके प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाने में भी सहायता करता है। निर्णय लेने वाले विशेषज्ञ सूचना के स्रोत के निकट स्थानान्तरित हो गए है ताकि यह अधिक शीघ्र हो। हालांकि, मध्यम प्रबन्धन के घिरे हुए आका के साथ निचलें स्तरों के लिए वृद्धि अवसर महत्वपूर्ण ढंग से कम हो रहे है। **{2 M}**

(b) रणनीतिक नियन्त्रण दो प्रश्नों पर ध्यान केन्द्रित करता है। (1) रणनीति की क्रियान्वयन योजनानुसार रहा है और (2) रणनीतिक द्वारा जनित परिणाम अपेक्षित है। **{1 M}**

चार प्रकार के रणनीति नियंत्रण हैः

- **मान्यता नियन्त्रण** (Premise Control)– किसी रणनीति का निर्माण कुछ परिवेशीय मान्यताओं के आधार पर किया जाता है। मान्यता नियन्त्रण क्रमिक एवं सतत् परिवेशीय निरीक्षण का उपकाण है कि मान्यता की वैधता एवं शुद्धता की पुष्टि हो सकें, जिसके आधार पर रणनीति का निरूपण किया गया है। **{1 M}**

- **रणनीतिक चौकसी** (Strategic surveillance): रणनीतिक चौकसी विस्तृत होती है इसमें विभिन्न सूचना स्रोतों के सम्बन्ध में सामान्य मोनीटरिंग निहित है कि कोई अनपेक्षित सूचना जिससे संगठन की रणनीति पर विपरीत प्रभाव पड़ता हैं, उसे खोजा जा सके। **{1 M}**
- **विशेष सतर्क नियन्त्रण** (Special alert control)– अनेक बार अप्रत्याशित घटनाएँ संगठन में रणनीति परिवर्तन को बाध्य कर सकती है। सरकार में आकस्मिक परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएँ, प्रतिस्पर्धा द्वारा अप्रत्याशित विलयन/अविलयन, औद्योगिक विपदाएँ और ऐसी ही अन्य घटनाएँ जिनके कारण रणनीति की तुरन्त एवं गम्भीर समीक्षा आवश्यक हो सकती है। **{1 M}**
- **क्रियान्वयन नियन्त्रण** (Implementation control)– प्रबन्ध रणनीति को क्रियान्वयन योजनाओं को कार्यो में निरूपित करके करते हैं, क्रमागत क्रियाएँ जो अगली बार बढ़ती है। क्रियान्वयन नियन्त्रण का निर्देश समग्र रणनीति में परिवर्तन की आवश्यकता के निर्धारण की ओर प्रकट घटनाओं और परिणामों के सन्दर्भ में किया जाता है। **{1 M}**

___**___